वितरण का आधुनिक सिद्धांत
(Modern Theory of Distribution)

वितरण का मांग एवं पूर्ति सिद्धांत
(Demand and Supply Theory of Distribution)

साधन कीमत निर्धारण का आधुनिक सिद्धांत
(Modern Theory of Factor Pricing)

इस सिद्धांत के अनुसार,

जिस प्रकार किसी वस्तु की कीमत उसकी ***मांग एवं पूर्ति*** की सापेक्षिक शक्तियों द्वारा निर्धारित होती है। ठीक उसी प्रकार उत्पादन के विभिन्न साधनों जैसे – *भूमि, श्रम, पूंजी, संगठन, साहसी* का **परितोषण** भी मांग एवं पूर्ति की सापेक्ष शक्तियों द्वारा निर्धारित होती है।

वितरण के आधुनिक सिद्धांत की मान्यतायें

- अर्थव्यवस्था में पूर्ण रोजगार की स्थिति का पाया जाना
- उत्पादन में उत्पत्ति ह्रास नियम लागू होना
- साधनों की इकाइयों का समरूप होना
- साधनों का एक दूसरे के साथ पूर्ण स्थानापन्न होना
- साधन बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता पाई जाती है
- प्रत्येक साधन पूर्ण विभाज्य हैं

सिद्धांत के अनुसार

किसी उत्पत्ति साधन की कीमत उस साधन मांग की मांग और साधन की पूर्ति द्वारा निर्धारित होती है:

साधन की मांग

वस्तुओं की मांग उपभोक्ताओं के लिए उनकी उपयोगिता पर निर्भर होती है उसी प्रकार साधन की मांग इस बात पर निर्भर होती है कि साधन उत्पादन के लिए कितना उपयोगी है अर्थात साधन उसके लिए कितना उपयोगी उत्पादन कर सकता है

दूसरे शब्दों में किसी भी साधन की मांग उसकी सीमांत उत्पादकता मूल्य पर निर्भर करती है

किसी साधन विशेष की इकाई को उस सीमा तक प्रयोग मिलाएगी जब तक कि साधन की सीमा उत्पादकता का मूल्य साधन लागत के बराबर न हो जाए

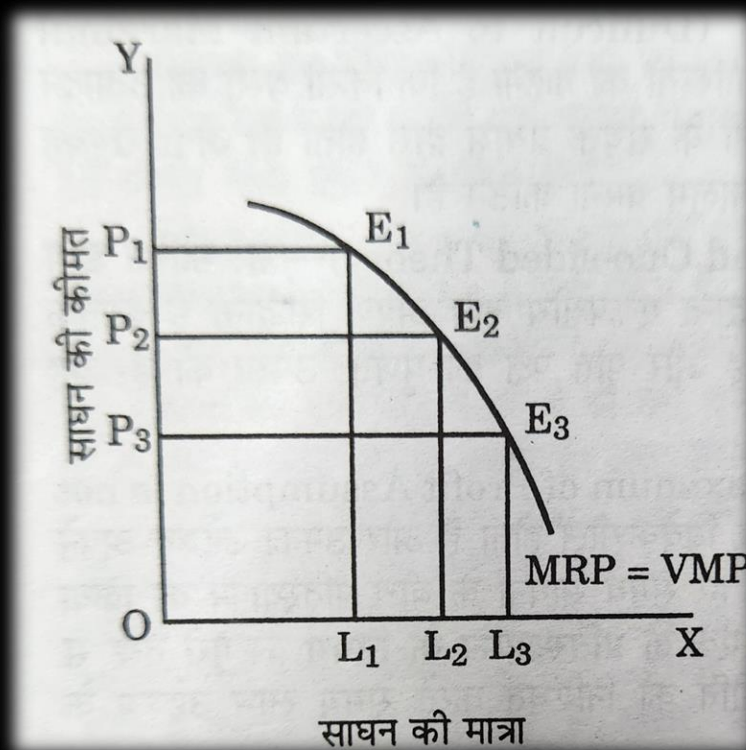

साधन की मांग को प्रभावित करने वाले घटक

किसी साधन की मांग की कई बातों से प्रभावित होती है-

- साधन द्वारा उत्पादित वस्तुओं की मांग पर यदि वस्तु की मांग अधिक है तो साधन की मांग भी अधिक होगी

- यदि साधनों की सीमा उत्पादकता में वृद्धि की जाती है तो उसकी मांग तथा कीमत बढ़ेगी

- अन्य साधनों की कीमत में भी साधन विशेष की मांग को प्रभावित करती है। जैसे मशीनों का मूल्य ऊर्जा होने पर श्रमिकों की मांग बढ़ जाएगी

साधन की पूर्ति

पूर्ति पक्ष की ओर उत्पादन की एक न्यूनतम सीमा होती है जिससे कम व साधन विशेष का स्वामी अपनी सेवाओं के लिए नहीं लेगा या न्यूनतम सीमा साधन विशेष की सीमा त्याग द्वारा निश्चित होती है और अन्य स्थितियों को यथावत रहते हुए हैं जब किसी व्यवसाय में किसी एक साधारण की मात्रा में अधिकाधिक संख्या प्रयोग में लाई जाती है तब इस साधन का सीमांत त्याग बढ़ता जाता है परन्तु यह जानना कठिन है कि सीमांत त्याग क्या है क्योंकि त्याग एक भावना है आधुनिक अर्थशास्त्रियों ने इस भावना को मुद्रा द्वारा मापी जाने के लिए अवसर लागत का सिद्धांत का प्रयोग किया है

किसी साधन की पूर्ति उसकी अवसर लागत पर निर्भर करती है असर लागत द्रव्य की वह मात्रा है जो किसी मानव संसाधन को दूसरे सर्वश्रेष्ठ विकल्प वैकल्पिक प्रयोग में प्राप्त हो सकती है

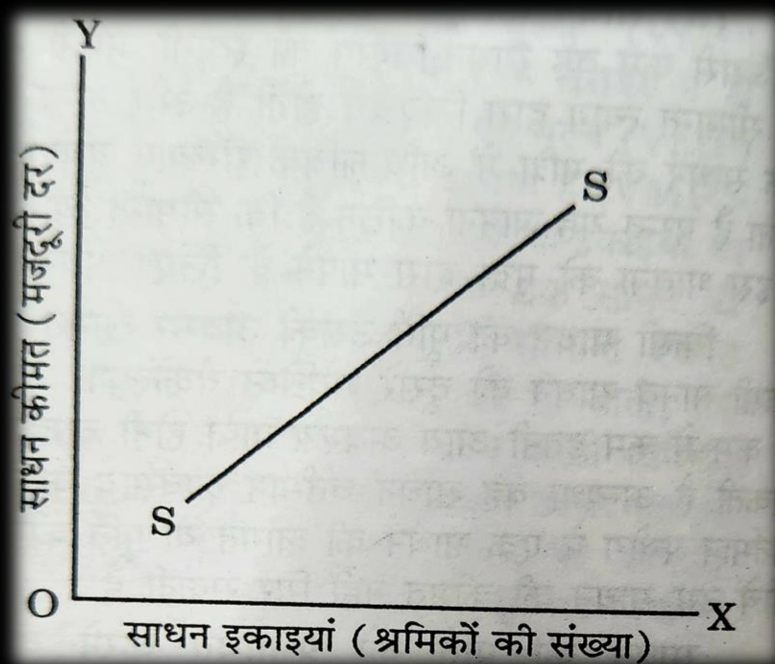

साधन की पूर्ति को प्रभावित करने वाले घटक

- साधन का पुरस्कार
- साधन की शिक्षा तथा प्रशिक्षण की लागत
- साधन की गतिशीलता
- साधन की एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने जाने की लागत
- साधन को कार्य करते तथा आराम करने के बीच का अधिमान

साधन कीमत का निर्धारण

एक साधन की कीमत ठीक उसी प्रकार निर्धारित होती है जैसा कि एक वस्तु का होता है आँत मांग और पूर्ति के द्वारा उदाहरण